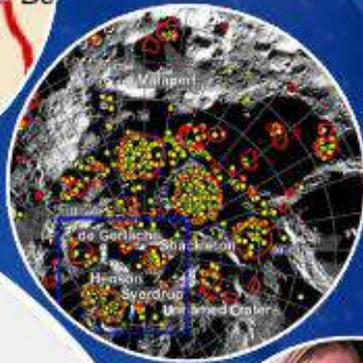
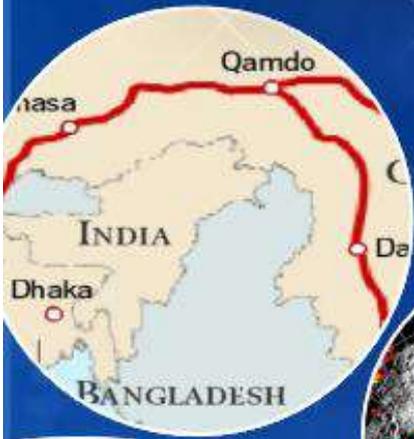


# RNA : Real News Analysis

# DAILY CURRENT AFFAIRS

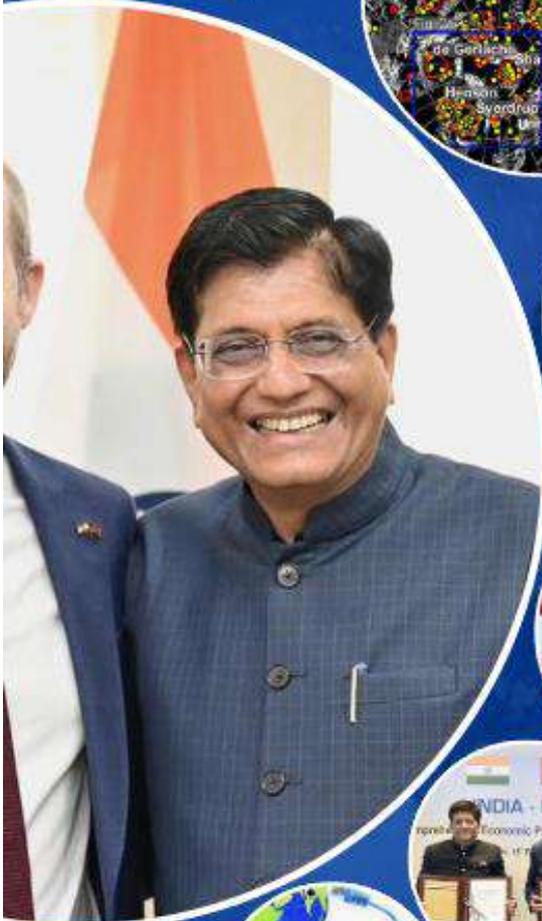
UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,  
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण



**DATE**  
**फरवरी**  
**26**  
**2025**

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors



**By Ankit Avasthi Sir**

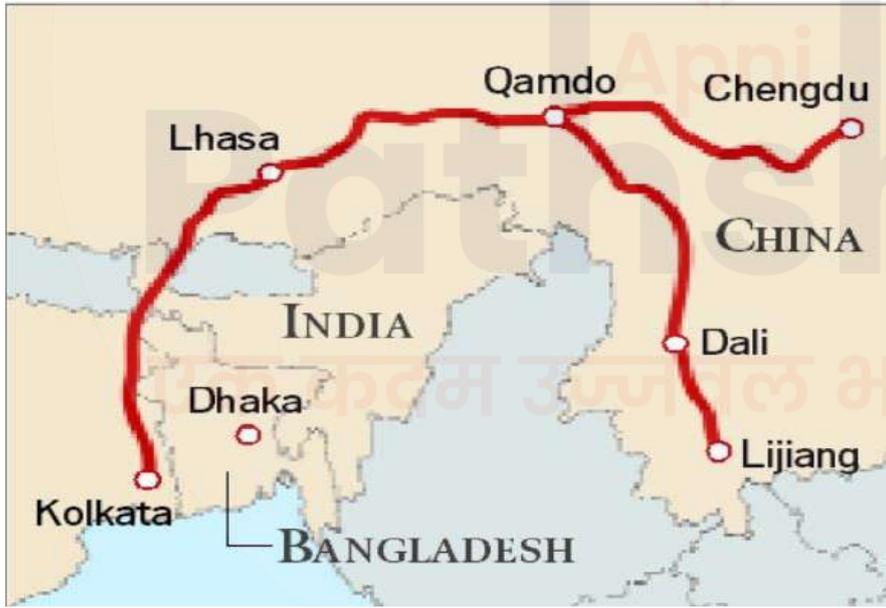
## टी-हॉर्स रोड / Tea-horse route

### संदर्भ:

भारत में चीन के राजदूत थू फेइहोंग ने टी हॉर्स रोड (Tea Horse Road) के ऐतिहासिक महत्व को रेखांकित किया, जो तिब्बत के माध्यम से भारत-चीन व्यापार का प्रमुख मार्ग था। यह 2,000 किमी लंबा प्राचीन मार्ग हिमालयी दर्रों के जरिए चीन से भारत तक चाय व्यापार को सुगम बनाता था।

### प्राचीन चामा मार्ग / टी हॉर्स रोड:

- उत्पत्ति:** यह मार्ग 618-907 ईस्वी में तांग वंश (Tang Dynasty) के शासनकाल में शुरू हुआ था।
- मार्ग:**
  - यह कोई एकल सड़क नहीं थी, बल्कि दक्षिण-पश्चिम चीन से भारतीय उपमहाद्वीप तक जाने वाले मार्गों का नेटवर्क था।
  - प्रमुख रास्ते चीन के लिजियांग (युन्नान प्रांत) और चेंगदू (सिचुआन प्रांत) से होकर गुजरते थे।
  - इसके बाद यह तिब्बत के ल्हासा पहुंचता था, जहां से यह भारत, नेपाल और बांग्लादेश की ओर विभाजित हो जाता था।



### आधुनिक इतिहास में चामा मार्ग (Tea Horse Road) की भूमिका:

#### 1. 20वीं शताब्दी की शुरुआत में व्यापार का विस्तार

- 1912 में छिंग वंश (Qing Dynasty) के पतन के बाद, चामा मार्ग और अधिक महत्वपूर्ण हो गया।
- युन्नान की चाय उद्योग का विस्तार हुआ क्योंकि चीन वैश्विक बाजार से जुड़ने लगा।
- इस मार्ग से नए व्यापारिक तकनीक और वस्तुएं पर्वतीय क्षेत्रों तक पहुंचीं, जिससे आर्थिक अवसर बढ़े।

#### 2. द्वितीय विश्व युद्ध और रणनीतिक महत्व:

- द्वितीय विश्व युद्ध (WWII) के दौरान, जब जापान ने चीन के समुद्री तटों पर नियंत्रण कर लिया, तब यह मार्ग एक वैकल्पिक आपूर्ति मार्ग बना।
- इस मार्ग का उपयोग चीन की प्रतिरोधी सेनाओं को सैन्य आपूर्ति और अन्य आवश्यक वस्तुएं पहुंचाने के लिए किया गया।

#### 3. 1949 के बाद चामा मार्ग का पतन:

- 1949 में पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना की स्थापना के बाद इस मार्ग का महत्व घट गया।
- माओ ज़ेडॉन्ग के भूमि सुधार ने परंपरागत व्यापार प्रणाली को बदल दिया।
- आधुनिक परिवहन के विकास के कारण यह ऐतिहासिक व्यापार मार्ग अप्रासंगिक हो गया।
- हालांकि, लिजियांग (Lijiang) जैसे कुछ क्षेत्र, जो कभी इस मार्ग का हिस्सा थे, 1997 में UNESCO विश्व धरोहर स्थल घोषित किए गए, जिससे इसकी ऐतिहासिक पहचान बनी रही।

### चामा मार्ग (Tea Horse Road) का महत्व:

#### 1. आर्थिक आदान-प्रदान को बढ़ावा:

- इस मार्ग ने भारत, तिब्बत और चीन के बीच व्यापार और सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत किया।
- चाय, मसाले, औषधीय जड़ी-बूटियां और कपड़ा उद्योग को बढ़ावा मिला।

#### 2. सैन्य शक्ति में वृद्धि: इस मार्ग से तिब्बती युद्ध घोड़े चीन की सेना को मिलते थे, जिससे उनकी सैन्य क्षमता बढ़ी।

#### 3. सांस्कृतिक आदान-प्रदान का माध्यम: इस मार्ग से बौद्ध धर्म का प्रसार हुआ और तिब्बत-भारत-चीन के बीच धार्मिक, औषधीय और वस्त्र संस्कृति का आदान-प्रदान हुआ।

#### 4. ऐतिहासिक पर्यटन का केंद्र: चामा मार्ग के कुछ हिस्सों को UNESCO विरासत स्थल के रूप में संरक्षित किया जा रहा है और इसे पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है।

## चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव का पहला विस्तृत मानचित्र / First Detailed Map of Moon's South Pole

### संदर्भ:

भारतीय शोधकर्ताओं की एक टीम ने चंद्रयान-3 के डेटा का उपयोग करके चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र का पहला विस्तृत भूवैज्ञानिक मानचित्र तैयार किया है। यह अध्ययन भविष्य के चंद्र अन्वेषण और मिशनों के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

### मुख्य निष्कर्ष:

#### 1. पहला उच्च-रिज़ॉल्यूशन मानचित्र:

- PRL अहमदाबाद, पंजाब विश्वविद्यालय और ISRO ने चंद्रयान-3 के प्रज्ञान रोवर के डेटा से यह मानचित्र तैयार किया।
- चंद्रमा के निर्माण और विकास पर नई जानकारी प्रदान करता है।

#### 2. मैग्मा महासागर की पुष्टि:

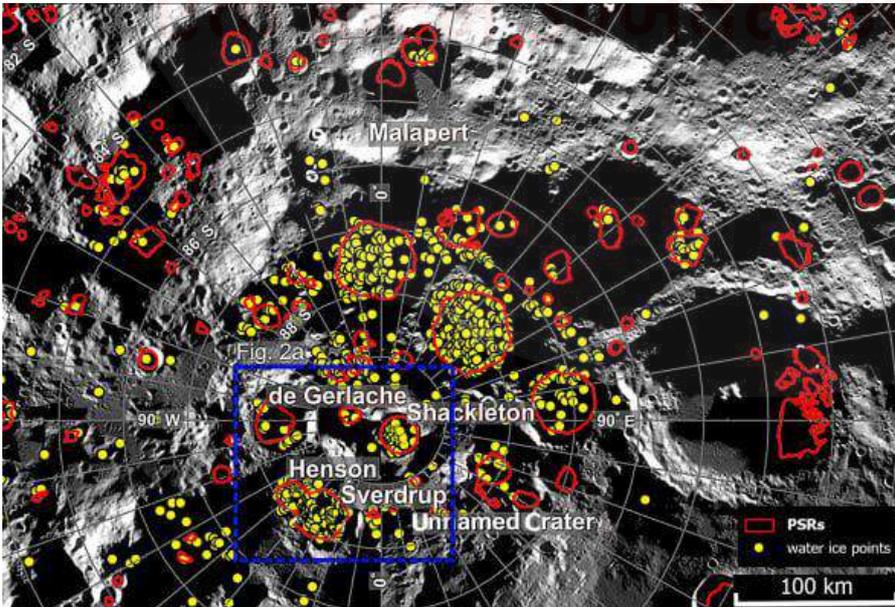
- प्रज्ञान के अल्फा पार्टिकल एक्स-रे स्पेक्ट्रोमीटर ने सतह के नीचे पिघली हुई चट्टान (molten rock) का पता लगाया।
- यह चंद्रमा के प्रारंभिक इतिहास में वैश्विक मैग्मा महासागर की पुष्टि करता है।

#### 3. उम्र और क्रेटर मैपिंग:

- लैंडिंग साइट की उम्र 3.7 अरब वर्ष आंकी गई, जो पृथ्वी के प्रारंभिक विकास के समान है।
- शॉम्बर्ग क्रेटर को प्रभाव मलबे (impact debris) का मुख्य स्रोत माना गया।

#### 4. चंद्र एवं ग्रह अध्ययन के लिए महत्व:

- संरक्षित क्रेटर सौर मंडल के क्षुद्रग्रह प्रभावों के इतिहास को समझने में मदद करते हैं।
- यह पृथ्वी-चंद्रमा प्रणाली के निर्माण पर महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।



### चंद्रमा पर प्रभाव क्रेटरिंग और इसकी महत्ता:

#### 1. प्रभाव क्रेटरिंग का महत्व:

- चंद्रमा के क्रेटर समय कैप्सूल की तरह काम करते हैं, जो सौर मंडल के निर्माण का रिकॉर्ड सुरक्षित रखते हैं।
- पृथ्वी पर क्रेटर जलवायु और भूगर्भीय गतिविधियों से जल्दी क्षतिग्रस्त हो जाते हैं, लेकिन चंद्रमा पर लाखों वर्षों तक संरक्षित रहते हैं।
- इससे वैज्ञानिकों को अन्य ग्रहों की भूगर्भीय विशेषताओं और उम्र का अध्ययन करने में मदद मिलती है।

#### 2. चंद्रमा पर प्रदूषण को लेकर चिंता:

- चंद्रमा पर बढ़ती खोज के साथ प्रदूषण का खतरा भी बढ़ रहा है।
- पिछले मिशनों द्वारा छोड़ा गया मलबा वैज्ञानिक अनुसंधान को प्रभावित कर सकता है।
- लैंडर से निकलने वाली गैसें चंद्रमा की बर्फीली परतों को दूषित कर सकती हैं, जिससे चंद्र जल वितरण पर डेटा गलत हो सकता है।

#### 3. अंतरराष्ट्रीय नियमों की आवश्यकता:

- 1967 की बाह्य अंतरिक्ष संधि (Outer Space Treaty) में चंद्र प्रदूषण पर कोई स्पष्ट दिशा-निर्देश नहीं हैं।
- चंद्रमा पर भविष्य में मानव उपनिवेशीकरण को ध्यान में रखते हुए, अंतरराष्ट्रीय कानूनी ढांचे की आवश्यकता है।
- यह ढांचा चंद्रमा के प्राकृतिक पर्यावरण को संरक्षित करते हुए संसाधनों के उचित उपयोग और अन्वेषण को संतुलित करेगा।

## अंतरिक्ष यात्रियों के स्वास्थ्य पर अंतरिक्ष यात्रा का प्रभाव / Impact of Space Travel on Astronaut Health

## संदर्भ:

नासा के अंतरिक्ष यात्री **सुनीता विलियम्स और बुच विलमोर अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS)** पर **नौ महीने से फंसे हुए हैं**। उनका पृथ्वी पर लौटना **अंतरिक्ष यान की तकनीकी समस्याओं** के कारण विलंबित हो गया है। यह घटना लंबी अवधि के अंतरिक्ष मिशन से जुड़ी स्वास्थ्य चुनौतियों को उजागर करती है।

## अंतरिक्ष यात्रा के दौरान अंतरिक्ष यात्रियों के स्वास्थ्य पर प्रभाव:

## 1. हड्डी और मांसपेशियों का कमजोर होना:

- **हड्डियों की कमजोरी:** माइक्रोग्रेविटी के कारण भार सहन करने वाली हड्डियाँ कमजोर हो जाती हैं।
  - हड्डी घनत्व प्रति माह 1-2% तक घटता है, जिससे **ऑस्टियोपोरोसिस और फ्रैक्चर का खतरा** बढ़ जाता है।
- **मांसपेशियों का क्षय (Muscle Atrophy):**
  - अंतरिक्ष में मांसपेशियों पर भार कम पड़ता है, जिससे **मांसपेशियों की ताकत और आकार घटने लगता है**।
  - **हृदय की कार्यक्षमता** भी कम हो जाती है, जिससे पृथ्वी पर लौटने पर रक्तचाप नियंत्रण में समस्या होती है।
- **संतुलन और समन्वय की समस्या:**
  - माइक्रोग्रेविटी **भीतर कान (Inner Ear)** की संतुलन क्षमता को प्रभावित करती है, जिससे **घूमने और शरीर के स्थान का अनुमान लगाने में कठिनाई** होती है।
- **लाल रक्त कोशिकाओं की कमी (Space Anaemia):**
  - अंतरिक्ष में **लाल रक्त कोशिकाओं** की क्षति अधिक होती है, जिससे **एनीमिया की समस्या** हो सकती है।

## 2. अंतरिक्ष यात्रा से जुड़ा न्यूरो-ऑकुलर सिंड्रोम (SANS):

- शरीर के तरल पदार्थ सिर की ओर चले जाते हैं, जिससे आंखों के पीछे तरल का दबाव बढ़ता है।
- **चेहरे की सूजन और दृष्टि कमजोर होने** की समस्या उत्पन्न होती है।
- **70% अंतरिक्ष यात्री**, जो लंबे मिशन पर गए, इस समस्या से प्रभावित हुए हैं।

## 3. जीन अभिव्यक्ति (Gene Expression) में बदलाव:

- **NASA Twins Study (2016)** के अनुसार, अंतरिक्ष यात्रा के कारण **डीएनए** मिथाइलेशन और जीन अभिव्यक्ति में बदलाव आता है।
- अंतरिक्ष यात्री स्कॉट केली के **जीन में 7% स्थायी परिवर्तन** देखे गए।
- **तेज विकिरण (Radiation Exposure)** के प्रभाव:
  - डीएनए को क्षति, कैंसर का बढ़ा हुआ खतरा, तंत्रिका तंत्र पर प्रभाव, और प्रतिरक्षा प्रणाली की गड़बड़ी।

## 4. मानसिक तनाव (Psychological Stress):

- लंबे समय तक अंतरिक्ष में रहने से **मानसिक तनाव, नींद की कमी और मूड डिसऑर्डर** हो सकते हैं।
- पृथ्वी से दूर रहने के कारण **अकेलापन और चिंता बढ़ सकती है**, जिससे **मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव** पड़ता है।

## क्या अंतरिक्ष यात्रा से स्थायी परिवर्तन होते हैं?

## 1. अल्पकालिक मिशन (कुछ दिन के लिए):

- **95% शारीरिक प्रभाव पृथ्वी पर लौटने के बाद ठीक हो जाते हैं**।
- शरीर धीरे-धीरे सामान्य स्थिति में आ जाता है।

## 2. दीर्घकालिक मिशन (कई महीने या वर्ष):

- **सुधार का समय अंतरिक्ष में बिताए गए समय के अनुपात में होता है**।
- कुछ प्रभाव **स्थायी हो सकते हैं**, जैसे:
  - हड्डियों की कमजोरी
  - न्यूरो-ऑकुलर सिंड्रोम
  - हृदय संबंधी परिवर्तन

## सुनीता विलियम्स और बुच विलमोर की वापसी में देरी के कारण:

## 1. प्रक्षेपण (Launch) से पहले की समस्याएँ:

- **दबाव वाल्व में खराबी: एटलस V रॉकेट** के ऊपरी हिस्से में **दबाव वाल्व (Pressure Valve)** में समस्या आई।
- **इंजीनियरिंग समस्याएँ:** यान के विभिन्न मैकेनिज्म में तकनीकी दिक्कतें आईं, जिससे अतिरिक्त सुरक्षा जाँच करनी पड़ी।
- **ऑक्सिडाइज़र वाल्व की खराबी:** ईंधन जलाने में मदद करने वाले **ऑक्सिडाइज़र को नियंत्रित करने वाला वाल्व** ठीक से काम नहीं कर रहा था।

## 2. प्रक्षेपण के बाद की समस्याएँ:

- **हीलियम लीक:** यान के प्रणोदन (Propulsion) प्रणाली में **5 स्थानों पर हीलियम रिसाव (Helium Leak)** पाया गया।
- **थ्रस्टर खराबी:** कुछ **मैनुवैरिंग थ्रस्टर (Maneuvering Thrusters)** काम करना बंद कर दिए, जिससे नियंत्रण में दिक्कत आई।
- **प्रोपेलेंट वाल्व फेल:** ईंधन प्रवाह नियंत्रित करने वाला एक **महत्वपूर्ण वाल्व** खराब हो गया, जिससे उड़ान के दौरान सुधार करना पड़ा।

## पिघलते ग्लेशियरों के कारण समुद्र का स्तर बढ़ना / Sea Level Rise Due to Melting Glaciers

### संदर्भ:

एक अध्ययन, जो नेचर पत्रिका में प्रकाशित हुआ, बताता है कि 21वीं सदी की शुरुआत से अब तक पिघलते ग्लेशियरों ने वैश्विक समुद्री स्तर में लगभग 2 सेमी की वृद्धि की है।

### अध्ययन के मुख्य निष्कर्ष:

#### 1. हिमखंडों (Glaciers) की बर्फ का नुकसान:

- पिछले 25 वर्षों में हर साल 273 अरब टन बर्फ पिघल रही है।
- 2000 से 2023 तक दुनिया के हिमनदों ने 6.542 ट्रिलियन टन बर्फ खोई, जिससे समुद्र स्तर में 18 मिमी की वृद्धि हुई।

#### 2. समुद्र स्तर में वृद्धि की दर:

- 1880 से अब तक समुद्र स्तर 21 सेमी बढ़ चुका है।
- वृद्धि की गति 0.18 सेमी/वर्ष (1993) से बढ़कर 0.42 सेमी/वर्ष (2024) हो गई है।
- 1993 से 2024 के बीच समुद्र स्तर में 10 सेमी से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई।

#### 3. क्षेत्रीय प्रभाव:

- दक्षिण-पश्चिमी हिंद महासागर में औसत से अधिक वृद्धि देखी गई (2.5 मिमी/वर्ष - WMO, 2022)।
- स्थानीय कारण जैसे महासागरीय ऊष्मा (Ocean Heat Content) और लवणता (Salinity Changes) समुद्र स्तर में असमान वृद्धि का कारण हैं।

#### 4. भारत पर प्रभाव:

- मुंबई: 1987-2021 के बीच 4.44 सेमी समुद्र स्तर बढ़ा, जिससे यह भारत का सबसे अधिक प्रभावित शहर बना।
- अन्य प्रभावित शहर: हल्दिया (पश्चिम बंगाल), विशाखापत्तनम (आंध्र प्रदेश), कोच्चि (केरल)।

### समुद्र स्तर वृद्धि के कारण:

- समुद्र स्तर वृद्धि का अर्थ है महासागर की औसत ऊंचाई में वृद्धि, जिसे पृथ्वी के केंद्र से मापा जाता है।

#### 1. वैश्विक ऊष्मीकरण (Global Warming)

- हिमनदों और बर्फ की चादरों (Glaciers & Ice Sheets) का पिघलना बढ़ गया है।
- 2000 से अब तक, ग्लेशियरों ने क्षेत्रीय रूप से 2% से 39% तथा वैश्विक रूप से 5% बर्फ खोई है।

#### 2. समुद्री जल का ऊष्मीय प्रसार (Thermal Expansion of Seawater)

- वैश्विक तापमान बढ़ने से महासागरों का तापमान भी बढ़ रहा है।
- गरम पानी अधिक जगह घेरता है, जिससे महासागर का आयतन (Volume) बढ़ जाता है।
- NASA के अनुसार, समुद्री जल के ऊष्मीय प्रसार से वैश्विक समुद्र स्तर वृद्धि का एक-तिहाई से आधा हिस्सा प्रभावित हो रहा है।

### समुद्र स्तर वृद्धि के परिणाम:

1. तूफान और प्राकृतिक आपदाएँ: समुद्र स्तर बढ़ने से तूफानों की तीव्रता और तटीय बाढ़ (Coastal Flooding) की घटनाएँ बढ़ जाती हैं।

2. मानव बस्तियों पर प्रभाव: दुनिया की 15% जनसंख्या जल निकायों (Water Bodies) से 10 किमी के दायरे में रहती है, जो इन्हें अत्यधिक संवेदनशील बनाता है।

3. मीठे पानी का प्रदूषण: समुद्र के बढ़ते स्तर से पीने के पानी और कृषि जलस्रोतों में लवणता (Salinity) बढ़ जाती है, जिससे खाद्य उत्पादन और पेयजल आपूर्ति प्रभावित होती है।

4. तटीय बाढ़ और जनसंख्या पर खतरा: समुद्र स्तर वृद्धि से निम्न भूमि वाले क्षेत्र (Low-lying Areas) खतरे में आ जाते हैं।

- अनुमान के अनुसार, 2100 तक 630 मिलियन लोग वार्षिक बाढ़ (Annual Flooding) के जोखिम में होंगे।

# भारत और यूई-सीईपीए के 3 वर्ष / 3 Years of India and UAE-CEPA

## संदर्भ:

भारत और यूई के बीच **CEPA 18 फरवरी 2022** को हस्ताक्षरित हुआ और **1 मई 2022** से लागू हुआ। यह समझौता द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने और आर्थिक सहयोग को मजबूत करने में अहम भूमिका निभा रहा है।

## समग्र आर्थिक सहयोग समझौता (CEPA) - भारत और UAE:

### 1. परिचय:

- समग्र आर्थिक सहयोग समझौता (Comprehensive Economic Cooperation Agreement - CEPA) भारत और संयुक्त अरब अमीरात (UAE) के बीच एक महत्वपूर्ण व्यापारिक समझौता है।
- यह व्यापार, निवेश और बाजार पहुंच को बढ़ाने के उद्देश्य से बनाया गया है।

### 2. समझौते की विशेषताएँ:

- व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के लिए **सीमा शुल्क (Tariffs) कम** किए गए हैं।
- सूचना प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग, फार्मास्यूटिकल्स और सेवाएँ जैसे प्रमुख क्षेत्रों को लाभ होगा।
- व्यापारिक प्रक्रियाओं को सरल बनाने और व्यापार में बाधाओं को कम करने का प्रावधान।

### 3. संभावित प्रभाव:

- यह समझौता **भारत-UAE के आर्थिक संबंधों को मजबूत** करेगा।
- अगले 5 वर्षों में** माल व्यापार **100 अरब डॉलर** और सेवाओं का व्यापार **1.5 अरब डॉलर** तक पहुँचने का अनुमान।
- भविष्य में और सहयोग** के लिए एक ठोस नींव तैयार करेगा।

## KEY FEATURES OF CEPA BETWEEN INDIA AND THE UAE



## भारत-UAE CEPA का महत्व:

### 1. द्विपक्षीय व्यापार में वृद्धि:

- माल व्यापार** को अगले **5 वर्षों में 100 अरब डॉलर** और **सेवाओं के व्यापार को 15 अरब डॉलर** तक पहुँचाने का लक्ष्य।
- खाड़ी क्षेत्र में **भारत के सबसे बड़े व्यापारिक भागीदारों में UAE** के साथ आर्थिक संबंध मजबूत होंगे।

### 2. रोजगार और आर्थिक विकास:

- व्यापार उदारीकरण और बेहतर बाजार पहुंच से **10 लाख से अधिक रोजगार** सृजित होने की संभावना।

### 3. भारतीय उत्पादों के लिए वरीयता प्राप्त बाजार पहुंच:

- श्रम-प्रधान क्षेत्रों** के निर्यात को बढ़ावा मिलेगा।
- भारत के **90% निर्यात पर कोई शुल्क (Zero-Duty Market Access) नहीं** लगेगा, जिससे वैश्विक प्रतिस्पर्धा में सुधार होगा।

### 4. खाड़ी क्षेत्र में व्यापार संबंधों की मजबूती:

- भारतीय निर्यातकों को **UAE के पड़ोसी बाजारों** जैसे **GCC देशों, अफ्रीका और यूरोप** में विस्तार करने का अवसर मिलेगा।

## भारत-UAE द्विपक्षीय संबंध:

### 1. राजनयिक संबंध (Diplomatic Ties):

- भारत और UAE के बीच **1972 में राजनयिक संबंध** स्थापित हुए।
- दोनों देशों के बीच **मजबूत रणनीतिक साझेदारी** है।

### 2. व्यापारिक संबंध (Trade Relations):

- UAE, **भारत का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार** और **दूसरा सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य** है।
- FY 2023-24 में भारत से UAE को 35.62 अरब अमेरिकी डॉलर का निर्यात** किया गया।

### 3. रक्षा सहयोग (Defense Cooperation):

- दोनों देशों के वायुसेनाओं के बीच **"डेजर्ट ईगल"** (Desert Eagle) द्विपक्षीय अभ्यास।
- संयुक्त सैन्य अभ्यास "डेजर्ट साइक्लोन"** (Desert Cyclone) का भी आयोजन।

## भारत में इंटरनेट शटडाउन / Internet Shutdowns in India

### संदर्भ:

Access Now की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में **2024 में 84 बार इंटरनेट शटडाउन** हुआ, जो किसी भी लोकतांत्रिक देश में सबसे अधिक है। हालांकि, **छह वर्षों में पहली बार भारत शीर्ष पर नहीं रहा**, क्योंकि म्यांमार ने **85 शटडाउन** के साथ भारत को पीछे छोड़ दिया।

### इंटरनेट शटडाउन क्या है?

- इंटरनेट शटडाउन सरकार द्वारा लगाया गया प्रतिबंध है, जिसमें इंटरनेट सेवाओं को अस्थायी रूप से बंद कर दिया जाता है।
- इसका उद्देश्य ऑनलाइन संचार को बाधित करना और विशेष परिस्थितियों में सूचना के प्रवाह को नियंत्रित करना होता है।

### इंटरनेट शटडाउन कब लगाया जाता है?

- प्रदर्शन - कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए।
- सांप्रदायिक हिंसा - अफवाहों और गलत सूचना को रोकने के लिए।
- परीक्षाएँ - नकल रोकने के लिए।
- चुनाव - निष्पक्षता बनाए रखने के लिए।
- सुरक्षा अभियान - आतंकवाद और अन्य खतरों को नियंत्रित करने के लिए।

### इंटरनेट शटडाउन पर प्रमुख निष्कर्ष:

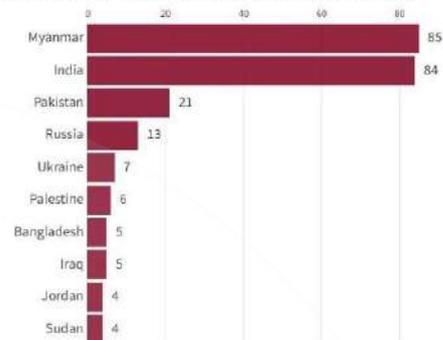
#### 1. वैश्विक इंटरनेट शटडाउन (Global Internet Shutdowns):

- म्यांमार में सबसे अधिक 85 शटडाउन हुए।
- भारत ने 84 शटडाउन (वैश्विक कुल का 28%) के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- हालांकि, भारत में सरकार द्वारा लगाए गए इंटरनेट प्रतिबंधों की संख्या सबसे अधिक रही, जो केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा लागू किए गए।

#### 2. भारत में इंटरनेट शटडाउन (Internet Shutdowns in India):

- 2024 में इंटरनेट शटडाउन की संख्या पिछले वर्ष की तुलना में कम रही।
- 16 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में शटडाउन दर्ज किए गए।
- सबसे अधिक प्रभावित राज्य:
  - मणिपुर - 21 शटडाउन
  - हरियाणा - 12 शटडाउन
  - जम्मू और कश्मीर - 12 शटडाउन

Top 10 countries with most no. of Internet shutdowns in 2024



### भारत में इंटरनेट शटडाउन के प्रावधान:

#### 1. टेली कम्युनिकेशन सेवाओं का अस्थायी निलंबन नियम, 2024

- यह नियम टेलीकम्युनिकेशन अधिनियम, 2023 (Telecom Act, 2023) के तहत लागू किए गए हैं।
- 2024 के नियम पुराने 2017 के नियमों को प्रतिस्थापित करते हैं, जो पहले इंडियन टेलीग्राफ एक्ट, 1885 के तहत बनाए गए थे।

#### 2. टेलीकम्युनिकेशन अधिनियम, 2023: एक नया कानून:

- इस अधिनियम ने कई पुराने कानूनों को समाप्त कर दिया, जैसे:
  - इंडियन टेलीग्राफ एक्ट, 1885
  - इंडियन वायरलेस टेलीग्राफ एक्ट, 1933
  - टेलीग्राफ वायर (अवैध स्वामित्व) अधिनियम, 1950

### निष्कर्ष

- अंधाधुंध इंटरनेट शटडाउन से सामाजिक और आर्थिक नुकसान होता है, और कई बार यह प्रभावी भी नहीं होता।
- बेहतर इंटरनेट प्रबंधन के लिए भारतीय नागरिक समाज को पारदर्शिता और जवाबदेही की दिशा में प्रयास करने की आवश्यकता है।

## भारत का बढ़ता एलएनजी आयात / India's Rising LNG Imports

### संदर्भ:

यूएस एनर्जी इन्फॉर्मेशन एडमिनिस्ट्रेशन (EIA) के अनुसार, **2024 के पहले 11 महीनों में भारत का अमेरिका से LNG आयात वर्ष-दर-वर्ष 71% बढ़ा**। यह वृद्धि ऊर्जा सुरक्षा और आपूर्ति विविधीकरण के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

### तरल प्राकृतिक गैस (LNG) के बारे में:

#### एलएनजी क्या है?

- **Liquefied Natural Gas (LNG)** एक प्राकृतिक गैस है जिसे लगभग **-162°C** तक ठंडा किया जाता है ताकि इसे तरल रूप में बदला जा सके।
- इस प्रक्रिया से इसका **आयतन 600 गुना तक कम हो जाता है**।
- एलएनजी मुख्य रूप से **मीथेन (Methane)** से बनी होती है, जिसमें थोड़ी मात्रा में **एथेन, प्रोपेन (Propane)**, और अन्य हाइड्रोकार्बन होते हैं।

#### एलएनजी उत्पादन प्रक्रिया:

1. **गैस निष्कर्षण:** प्राकृतिक गैस को भूमिगत भंडारों से निकाला जाता है।
2. **गैस प्रसंस्करण:** इसमें पानी, कार्बन डाइऑक्साइड और सल्फर जैसी अशुद्धियों को हटाया जाता है।
3. **द्रवीकरण:** गैस को **-162°C** तक ठंडा कर तरल में बदला जाता है।
4. **भंडारण और परिवहन:** LNG को विशेष टैंकों में रखा जाता है और **विशेष जहाजों (Specialized Carriers)** के माध्यम से भेजा जाता है।
5. **रीगैसीफिकेशन:** गंतव्य स्थान पर LNG को गर्म कर दोबारा गैस में बदला जाता है, जिसे **'हीट ट्रांसफर फ्लूइड'** की मदद से किया जाता है।

#### एलएनजी के उपयोग:

- **बिजली उत्पादन:** गैस आधारित बिजली संयंत्रों में बिजली उत्पन्न करने के लिए उदाहरण - हजिरा (Hazira) और पिपावाव (Pipavav) पावर प्लांट्स।
- **औद्योगिक क्षेत्र:** निर्माण और रिफाइनिंग उद्योगों में LNG एक कोयला और तेल की तुलना में अधिक स्वच्छ ईंधन के रूप में प्रयोग होती है।
- **परिवहन:** LNG का उपयोग जहाजों, ट्रकों और बसों के ईंधन के रूप में किया जाता है।

#### भारत में LNG पर बढ़ती निर्भरता:

- **ऊर्जा स्रोतों में विविधता:** भारत कोयले की निर्भरता कम कर स्वच्छ ईंधन LNG की ओर बढ़ रहा है।
- **ऊर्जा मिश्रण में प्राकृतिक गैस की हिस्सेदारी:** 2030 तक इसे 15% तक बढ़ाने का लक्ष्य है।
- **गैस-आधारित अर्थव्यवस्था:** LNG पर जोर देकर आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता कम की जा रही है।

- **जलवायु परिवर्तन लक्ष्य:** LNG, कोयले की तुलना में 40% और तेल की तुलना में 30% कम CO<sub>2</sub> उत्सर्जित करता है, जिससे यह सबसे स्वच्छ फॉसिल फ्यूल माना जाता है।

#### भारत में LNG क्षेत्र की चुनौतियाँ:

- **सीमित पाइपलाइन नेटवर्क:** अविकसित पाइपलाइनों LNG को दूरदराज़ के क्षेत्रों तक पहुँचने में बाधा डालती हैं।
- **अपर्याप्त बुनियादी ढांचा:** 2030 तक ऊर्जा मिश्रण में प्राकृतिक गैस की 15% हिस्सेदारी का लक्ष्य है, लेकिन LNG अवसंरचना कमजोर है।
- **भंडारण की समस्या:** सीमित भंडारण क्षमता के कारण वैश्विक कीमतों में उतार-चढ़ाव और आपूर्ति बाधाओं का खतरा।
- **भीड़भाड़ वाले टर्मिनल:** धीमी प्रक्रियाओं और अक्षमताओं के कारण देरी होती है।

#### LNG क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए सरकारी पहल:

- **राष्ट्रीय गैस ग्रिड का विस्तार:** LNG पाइपलाइन नेटवर्क को मजबूत करना।
- **ऊर्जा संक्रमण नीति:** स्वच्छ ईंधन की ओर बदलाव, 2030 तक गैस की हिस्सेदारी 15% तक बढ़ाने का लक्ष्य।
- **प्राथमिकता गैस आवंटन:** परिवहन (CNG) और घरेलू उपयोग (PNG) जैसे क्षेत्रों को प्राथमिकता।
- **नए LNG टर्मिनलों का विकास:** आयात और भंडारण सुविधाओं में विस्तार।
- **शहरी गैस वितरण (CGD) का विस्तार:** PNG (पाइप नेचुरल गैस) और CNG (संपीड़ित प्राकृतिक गैस) की पहुँच बढ़ाना।
- **SATAT पहल:** परिवहन के लिए जैव-CNG को बढ़ावा देने की योजना।
- **गैस मूल्य निर्धारण में उदारता:** उच्च दबाव, गहरे पानी और कोयला गैस क्षेत्रों से उत्पादित गैस के लिए बाजार और मूल्य निर्धारण में स्वतंत्रता।

## अपशिष्ट पृथक्करण / Waste Segregation

### संदर्भ:

सुप्रीम कोर्ट ने कचरे के स्रोत पर ही पृथक्करण की अनिवार्यता पर जोर देते हुए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (NCR) के राज्यों से इसकी प्रभावी क्रियान्वयन पर सवाल उठाए। अदालत ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 (SWM Rules, 2016) के तहत नियमों के पालन पर राज्यों से जवाब मांगा।

### ठोस अपशिष्ट (Solid Waste) और स्रोत पर कचरे का पृथक्करण

#### ठोस अपशिष्ट (Solid Waste) क्या है?

- यह किसी भी प्रकार के कचरे, कूड़े, त्यागी गई सामग्री को संदर्भित करता है, जो घरों, उद्योगों, व्यवसायों और अन्य मानवीय गतिविधियों से उत्पन्न होता है।
- पर्यावरण और स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभावों को रोकने के लिए इसका उचित प्रबंधन आवश्यक है।

#### स्रोत पर कचरे का पृथक्करण (Waste Segregation at Source)

- कचरे को उत्पत्ति के स्थान पर पहचानने, वर्गीकृत करने, विभाजित करने और छांटने की प्रक्रिया है ताकि उसके सही निपटान, पुनर्चक्रण (Recycling) और प्रबंधन को सुगम बनाया जा सके।
- यह कचरे को उसकी जैविक, भौतिक और रासायनिक विशेषताओं के आधार पर वर्गीकृत करता है।

#### ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 (SWM Rules, 2016)

- ये नियम कचरे को तीन श्रेणियों में वर्गीकृत करते हैं:
  1. **जैव-अविघटनशील** - ऐसा कार्बनिक (Organic) कचरा जो सूक्ष्मजीवों द्वारा सरल यौगिकों में परिवर्तित किया जा सकता है। उदाहरण: भोजन के अवशेष, गीला कागज, मिट्टी लगे रैपर आदि।
  2. **गैर-जैव-अविघटनशील** - पुनर्नवीनीकरण योग्य (Recyclable) या गैर-पुनर्नवीनीकरण योग्य (Non-Recyclable) सामग्री, जैसे प्लास्टिक, कांच, धातु आदि।
  3. **घरेलू खतरनाक अपशिष्ट** - इसमें डायपर, नैपकिन, मच्छर प्रतिरोधक, सफाई एजेंट आदि आते हैं, जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकते हैं।

#### कचरे के पृथक्करण का महत्व:

1. **लैंडफिल बोझ कम करना** - कचरे की मात्रा घटाकर भूमि प्रदूषण और मीथेन उत्सर्जन रोकता है।

2. **पुनर्चक्रण बढ़ाना** - जैविक कचरे को खाद और गैर-जैविक को पुनर्नवीनीकरण में उपयोगी बनाता है।
3. **प्रदूषण रोकना** - मिट्टी, जल और वायु को विषैले कचरे से बचाता है।
4. **ऊर्जा उत्पादन बढ़ाना** - पृथक कचरा ऊर्जा संयंत्रों की दक्षता सुधारता है।



#### कचरे के पृथक्करण में चुनौतियाँ

1. **कमजोर नियम प्रवर्तन** - ठोस कचरा प्रबंधन नियम, 2016 लागू होने के बावजूद नगर निकायों में उचित निगरानी और संसाधनों की कमी के कारण इनका सख्ती से पालन नहीं हो पाता।
2. **अपर्याप्त बुनियादी ढाँचा** - कई शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में पृथक कचरा संग्रहण और प्रसंस्करण की उचित सुविधाएँ नहीं हैं, जिससे मिश्रित कचरे का निपटान बढ़ता है।
3. **जनजागरुकता की कमी** - अधिकांश लोग कचरे के पृथक्करण के लाभों से अवगत नहीं होते या अपनी आदतों में बदलाव लाने से हिचकिचाते हैं, जिससे उचित कचरा प्रबंधन बाधित होता है।
4. **कचरा प्रबंधकों का विरोध** - सफाई कर्मचारी और अनौपचारिक कचरा बीनने वाले पृथक्कृत कचरे को संभालने के लिए जरूरी प्रशिक्षण और आर्थिक प्रोत्साहन से वंचित रहते हैं, जिससे वे इसे अपनाने में रुचि नहीं लेते।

## भारत-ब्रिटेन FTA वार्ता / India-UK FTA Negotiations

### संदर्भ:

भारत और ब्रिटेन ने आठ महीने के अंतराल के बाद मुक्त व्यापार समझौते (FTA) पर वार्ताओं को फिर से शुरू किया है। यह समझौता व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

### भारत-यूके मुक्त व्यापार समझौता (FTA):

- शुरुआत** - भारत और यूके ने 2022 में औपचारिक मुक्त व्यापार समझौता (FTA) वार्ता शुरू की थी। तब तक, दोनों देश एक अंतरिम मुक्त व्यापार क्षेत्र पर विचार कर रहे थे, जिससे अधिकांश वस्तुओं पर शुल्क में कमी लाई जा सके।
- प्रारंभिक समझौता** - दोनों देशों ने "अर्ली हार्वेस्ट स्कीम" के तहत सीमित व्यापार समझौते पर सहमति जताई, जिसमें कुछ वस्तुओं पर शुल्क घटाने और कुछ सेवाओं के नियमों में ढील देने की बात शामिल थी।
- संवेदनशील मुद्दों से बचाव** - वार्ता के दौरान "संवेदनशील मुद्दों" को टालते हुए उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने का निर्णय लिया गया, जहाँ दोनों देशों के बीच व्यापारिक तालमेल बेहतर है।
- संवेदनशील क्षेत्र** - भारत के लिए कृषि और डेयरी क्षेत्र को संवेदनशील माना गया, इसलिए इन पर विशेष ध्यान दिया गया।
- लक्ष्य** - भारत और यूके ने 2030 तक आपसी व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य तय किया है।

### वर्तमान भारत-यूके मुक्त व्यापार समझौता (FTA):

- समझौते का दायरा** - यह 26 अध्यायों को कवर करता है, जिनमें वस्तुएँ, सेवाएँ, निवेश और बौद्धिक संपदा अधिकार (IPRs) शामिल हैं।
- सबसे व्यापक व्यापार समझौता** - यह किसी भी विकसित देश के साथ भारत द्वारा किया गया सबसे व्यापक व्यापार समझौता होगा।
- अन्य वार्ताएँ** - FTA के अलावा, द्विपक्षीय निवेश संधि (BIT) और डबल योगदान कन्वेंशन समझौते (DCCA) पर भी बातचीत चल रही है।
  - BIT (Bilateral Investment Treaty)** - दो देशों के बीच पारस्परिक समझौता, जो एक-दूसरे के क्षेत्रों में विदेशी निजी निवेश को बढ़ावा और सुरक्षा प्रदान करता है।
  - DCCA (Double Contribution Convention Agreement)** - एक सामाजिक सुरक्षा समझौता, जिसमें अल्पकालिक सीमा-पार श्रमिकों के सामाजिक सुरक्षा योगदान को छूट या पुनर्भुगतान दिया जाता है।

### भारत-यूके मुक्त व्यापार समझौता (FTA) वार्ता में हालिया रुकावट:

- वार्ता का ठहराव (May 2024)** - भारत और यूके में आम चुनावों के कारण मई 2024 में FTA वार्ताएं अस्थायी रूप से रोक दी गई थीं।
- "ट्रम्प टैरिफ" का प्रभाव** - अमेरिका में संभावित व्यापार नीतिगत बदलाव (जैसे टैरिफ बढ़ोतरी) इस समझौते की वार्ता में तेजी लाने का कारण बन सकते हैं, लेकिन इसके प्रभावों का मूल्यांकन अभी किया जाना बाकी है।

### भारत-यूके मुक्त व्यापार समझौते (FTA) का महत्व:

- अन्य FTA के लिए आधार** - यह समझौता भारत के यूरोपीय संघ (EU) और अन्य देशों के साथ भविष्य के व्यापार समझौतों के लिए एक रूपरेखा प्रदान करेगा।
- निर्यात वृद्धि** - फार्मास्यूटिकल्स, इलेक्ट्रॉनिक्स और वस्त्र जैसे क्षेत्रों में भारतीय निर्यात को बढ़ावा मिलेगा, जिससे निवेश और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।
- सेवाओं का लाभ** - दूरसंचार और व्यापार सेवाओं जैसे क्षेत्रों में उदारीकृत और प्रतिस्पर्धी सेवाओं के कारण भारत की सेवा निर्यात क्षमता बढ़ेगी।
- भू-आर्थिक बदलाव** - ब्रेक्सिट, भारत का RCEP से बाहर रहना और अमेरिका की अस्थिर व्यापार नीति के कारण, दोनों देशों के लिए नए बाजारों की खोज में FTA एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

### भारत-यूके व्यापारिक संबंध (वर्तमान स्थिति)

- यूके की स्थिति** - भारत के लिए यूके 16वां सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है।
- द्विपक्षीय व्यापार** - FY24 में भारत-यूके का कुल व्यापार \$21.34 बिलियन तक पहुंचा।
- लक्ष्य 2030** - दोनों देशों ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य रखा है।
- रोजगार पर प्रभाव** - यह व्यापार संबंध £41 बिलियन मूल्य का है और दोनों देशों में 6 लाख से अधिक नौकरियों का समर्थन करता है।

## 3R और सर्कुलर इकोनॉमी फोरम / 3R and Circular Economy Forum

### संदर्भ:

भारत 3 से 5 मार्च, 2025 तक जयपुर के राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में 12वें क्षेत्रीय 3R और सर्कुलर इकोनॉमी फोरम की मेजबानी करेगा।

- इस वर्ष का विषय "एशिया-प्रशांत में एसडीजी और कार्बन न्यूट्रलिटी प्राप्त करने की दिशा में सर्कुलर सोसाइटीज को साकार करना" होगा।

### 12वें 3R फोरम (2025) के मुख्य बिंदु

- घोषणा** - केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने नई दिल्ली के नेशनल मीडिया सेंटर में कर्तन-रेज़र इवेंट के दौरान की।
- प्रतिभागी** - 500+ अंतरराष्ट्रीय और घरेलू प्रतिभागियों की अपेक्षा।
- कार्यक्रम अवधि** - तीन दिवसीय आयोजन में सत्र, चर्चा, गोलमेज सम्मेलन और नेटवर्किंग अवसर।

### प्रमुख आकर्षण

- इंडिया पवेलियन** - 3R (Reduce, Reuse, Recycle) और सर्कुलर इकोनॉमी में भारत की प्रगति को दर्शाएगा।
- राष्ट्रीय संस्थानों की प्रदर्शनी** - सरकारी मंत्रालयों और राष्ट्रीय मिशनों द्वारा सतत विकास पहल का प्रदर्शन।
- मुख्य सत्र** - मंत्रियों और राजदूतों की चर्चा, मेयर डायलॉग और नीति संवाद।
- CITIIS 2.0 कार्यक्रम** - इस दौरान कई समझौतों पर हस्ताक्षर।
- NIUA का योगदान** - 100+ सर्वश्रेष्ठ प्रथाओं पर आधारित संकलन जारी किया जाएगा।

### अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी और नवाचार

- 3R व्यापार और प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी** - 40+ भारतीय और जापानी व्यवसायों व स्टार्टअप्स की भागीदारी।
- अपशिष्ट-से-सम्पदा पहल** - NGOs और स्वयं सहायता समूहों द्वारा सतत उद्यमिता को बढ़ावा।

### समापन और घोषणाएँ

- जयपुर डिक्लेरेशन (2025-34)** - एशिया-प्रशांत देशों को सर्कुलर इकोनॉमी की ओर बढ़ाने के लिए एक मार्गदर्शक।
- हनोंई डिक्लेरेशन (2013-23) की अगली कड़ी** - संसाधन दक्षता नीतियों के निर्माण में सहायक।
- गैर-बाध्यकारी (Non-Binding) घोषणा**।

**संगठन और सहभागिता: आयोजक** - स्वच्छ भारत मिशन-शहरी, आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, जापान सरकार, UN ESCAP, UNCRD, UNDSGD, UNDESA और राजस्थान सरकार।

### 3R फोरम की पृष्ठभूमि

- शुरुआत** - 2009 में संयुक्त राष्ट्र क्षेत्रीय विकास केंद्र (UNCRD) द्वारा।
- उद्देश्य** - सरकारों को 3R (Reduce, Reuse, Recycle) सिद्धांतों को नीतियों में शामिल करने में सहायता।
- पिछला फोरम (2023)** - कंबोडिया द्वारा आयोजित।
- भारत में पूर्व आयोजन** - 8वां फोरम (2018) इंदौर में आयोजित।

### सर्कुलर इकोनॉमी (Circular Economy)

**परिभाषा:** विश्व आर्थिक मंच (WEF) के अनुसार, सर्कुलर इकोनॉमी एक औद्योगिक प्रणाली है जो पुनर्स्थापनीय (restorative) या पुनरुत्पादक (regenerative) होती है।

### मुख्य सिद्धांत:

- उत्पादन और खपत का ऐसा मॉडल**, जिसमें साझा करना, लीज पर देना, पुनः उपयोग (reuse), मरम्मत (repair), नवीनीकरण (refurbish) और पुनर्चक्रण (recycling) शामिल है।
- लक्ष्य:** कचरे को न्यूनतम करना और संसाधनों का अधिकतम उपयोग।



**"GET READY FOR A WILD RIDE OF KNOWLEDGE !"**

**SUBSCRIBE OUR NEW YOUTUBE CHANNEL**

**ANKIT AVASTHI**

**Video will be upload soon !**



**ANKIT AVASTHI**



# RRB NTPC

## TEST SERIES

- ✓ 100+ Mock Test
- ✓ 78 Sectional Test
- ✓ 40+ years PYPs
- ✓ 60+ Current affairs

TEST



**Only**

**99** *Per Year*

**Buy Now**



# GA FOUNDATION

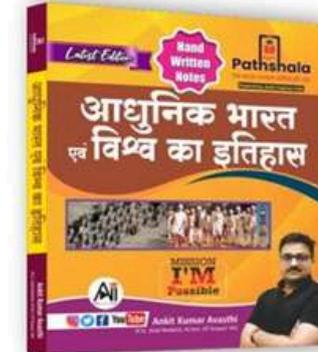
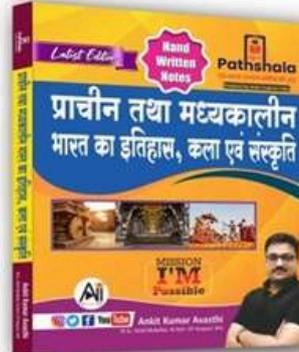
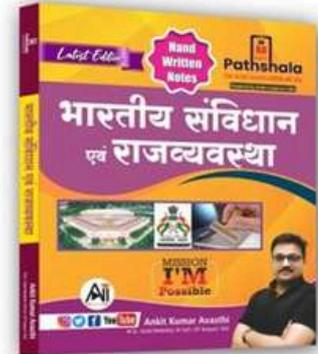
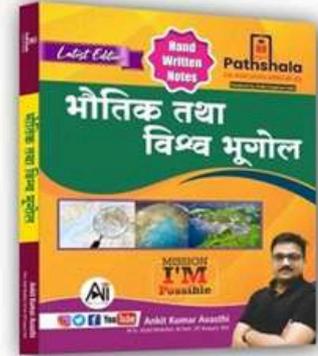
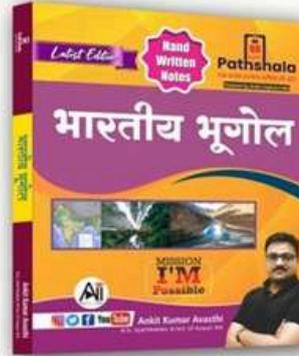
Hand Written  
**Notes**

  
**Pathshala**  
एक कदम उज्ज्वल भविष्य की ओर

  
**Ani**  
Ankit Inspires India

₹ **Only**  
**1999**

**4 पुस्तकों**  
**का**  
**सम्पूर्ण सेट**



अधिक जानकारी के लिए दिए  
गए नंबर पर संपर्क करें....

 **7878158882**



# APNI PATHSHALA

## UPPSC, RO/ARO, BPSC, UP

## TEST SERIES

### UPPSC

(TEST SERIES)

- 35+ MOCK TESTS
- 40+ PYQ'S
- 180+ TOPIC WISE TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

**299/-**  
YEAR

### RO/ARO

(TEST SERIES)

- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

**299/-**  
YEAR

### BPSC

(TEST SERIES)

- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

**299**  
YEAR

### SSC

(TEST SERIES)

- 30 MOCK TESTS
- 28+ YEAR PYP
- 12 SECTIONAL TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

**99/-**  
YEAR

### RPF

(TEST SERIES)

- 40 MOCK TESTS
- 2 YEAR PYQ'S
- 4 SECTIONAL TEST
- 10 PRACTICE TEST
- 60 CURRENT AFFAIRS

**99/-**  
YEAR



Download | Application

## Apni Pathshala

7878158882

Apni.Pathshala Avasthiankit

AnkitAvasthiSir kaankit

**ANKIT AVASTHI SIR**

# NCERT COMPLETE

## FOUNDATION BATCH

▶ POLITY ▶ ECONOMICS  
▶ HISTORY ▶ GEOGRAPHY

FOR ALL

 DAILY LIVE CLASSES

 WEEKLY TEST

 CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)

 LIVE DOUBT SESSIONS

 DAILY PRACTISE PROBLEM

Rs

4999/-



Apni Pathshala  7878158882

 Apni.Pathshala  kaankit  AnkitAvasthiSir  Avasthiankit

# ONLY POLITY



1499  
RS

DAILY LIVE CLASSES

-  WEEKLY TEST
-  CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
-  LIVE DOUBT SESSIONS
-  DAILY PRACTISE PROBLEM

**Apni Pathshala**



**7878158882**



Apni.Pathshala



kaankit



AnkitAvasthiSir



Avasthiankit

# SSC TEST SERIES

CGL, CHSL, MTS, CET, CPO, GD,  
Stenographer (Grades C & D)



Only at

**99/- Year**

Enroll Now!

